नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी
१९३४ से

प्रेरणा से आगे बढ़ रहा देश

प्रधानमंत्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम

पीएम ने पन्ना जिले के बीट गार्ड के नवाचार को सराहा

नई दिल्ली, 25 जनवरी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 130वें एडिशन में पर्यावरण संरक्षण के लिए देश में साधारण व्यक्तियों द्वारा की जा रही पहल का उल्लेख किया. उन्होंने प्रदेश के पन्ना जिले के बीट गार्ड(वनरक्षक) जगदीश प्रसाद अहिरवार के प्रयासों की सराहना की.

प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में पन्ना जिले के जगदीश प्रसाद अहिरवार का प्रयास भी बहुत ही सराहनीय है. वे जंगल में बीट-गार्ड के रूप में अपनी सेवाएं देते हैं. एक बार गश्त के दौरान उन्होंने महसूस किया कि जंगल में मौजूद कई औषधीय पौधों की जानकारी कहीं भी व्यवस्थित रूप से दर्ज नहीं है. वे ये जानकारी अगली पीढ़ी तक पहुंचाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने औषधीय पौधों की पहचान करना और उनका रिकॉर्ड बनाना शुरू किया.

उन्होंने 125 से ज्यादा औषधीय पौधों की पहचान की. हर पौधे की तस्वीर, नाम, उपयोग और मिलने के स्थान की जानकारी जुटाई. उनकी जुटाई गई जानकारी को वन विभाग ने संकलित किया और किताब के रूप में प्रकाशित भी किया. इस किताब में दी गई जानकारी अब शोधकर्ता, छात्रों और वन अधिकारियों के बहुत काम आ रही है.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का उज्जैन के हामूखेड़ी शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ हायर सेकेंडरी विद्यालय में विद्यार्थियों और जन प्रतिनिधियों के साथ सुना. सीएम ने पन्ना जिले के बीट गार्ड जगदीश प्रसाद अहिरवार के नवाचार का 'मन की बात' कार्यक्रम में उल्लेख करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना है.

पीएम मोदी के संबोधन की खास बातें

- मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है. लोगों से नए वोटर्स के लिए मिठाई बांटने की अपील की.
- भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम बन चुका है. ये स्टार्टअप लीक से हटके हैं, जिनके बारे में 10 साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी.
- पीएम ने भारतीय प्रोडक्ट्स को लेकर कहा कि हम सभी का एक ही मंत्र हो क्वालिटी-क्वालिटी और क्वालिटी.
- इंडियन प्रोडक्ट का मतलब बन जाए क्वालिटी. हम संकल्प लें कि क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होगा.
- आज भारतीय संस्कृति और त्योहारों की पहचान पूरी दुनिया में बन रही है.
- जनभागीदारी और सामूहिकता देश की सबसे बड़ी ताकत है.
- गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की परंपरा अपने आप में अनूठी है, अगर मैं आपसे कहूं कि यहां के लोग, विशेषकर बुजुर्ग, अपने घरों में खाना नहीं बनाते तो आपको हैरत होगी. इसकी वजह गांव का शानदार कम्युनिटी किचन है.
- अरुणाचल वो धरती है जहां देश में सबसे पहले सूर्य की किरणें पहुंचती है. यहां लोग 'जय हिन्द' कहकर एक-दूसरे का अभिवादन करते हैं.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दीं गणतंत्र दिवस की मंगलकामनाएं

भोपाल, 25 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं दी हैं. डॉ. यादव ने कहा कि यह दिवस हमें हमारे संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के प्रति निष्ठा का स्मरण कराता है. मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश आत्मनिर्भरता और विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है.

आप सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं!

शुभकामनाएं

नवभारत के सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंट बंधुओं और शुभेच्छुओं को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं.

संपादक

अवकाश

गणतंत्र दिवस पर नवभारत कार्यालय में 26 जनवरी को अवकाश रहेगा. अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा.

महाप्रबंधक

45 हस्तियों को पद्म श्री पुरस्कार

नई दिल्ली, 25 जनवरी (वार्ता) साहित्य एवं शिक्षा, कला, चिकित्सा, खेल, समाज सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 45 हस्तियों को चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री पुरस्कार के लिए चुना गया है.पद्म पुरस्कार पाने वाले इन गुमनाम नायकों ने साधारण होते हुए भी असाधारण योगदान दिया है. इन सभी विभूतियों ने गंभीर व्यक्तिगत कठिनाइयों और त्रासदियों को पार करते हुए न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की, बल्कि समाज की व्यापक सेवा भी की है. इनमें पिछड़े और दलित समुदायों, आदिम जनजातियों तथा दूरस्थ और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों से आने वाले व्यक्ति शामिल हैं.

किन्हें मिला सम्मान : ये वे लोग है, जिन्होंने दिव्यांगजन, महिलाओं, बच्चों, दलितों और जनजातीय समुदायों की सेवा में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, स्वच्छता और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में निरंतर कार्य करते हुए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है.

एमपी की तीन हस्तियों को पद्मश्री- साल 2026 के पुरुस्कारों में मप्र की तीन हस्तियों को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा. भोपाल के प्रख्यात लेखक कैलाश चंद्र पंत, सागर के मार्शल आर्ट कलाकार भगवानदास रैकवार और मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा.

पीएम ने पद्म पुरस्कार विजेताओं को दी बधाई

नई दिल्ली, 25 जनवरी . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार पाने वाली सभी विभूतियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में इन व्यक्तियों का समर्पण, सेवा और उत्कृष्टता देश और समाज को निरंतर समृद्ध कर रही है।

मिट्टी धंसने से तीन की दर्दनाक मौत

- मृतकों में मासूम बच्ची और किशोरी भी है शामिल
- छुई निकालते वक्त पलभर में उजड़ा जीवन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 25 जनवरी. जियावान थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी कुंदवार अंतर्गत परसोहर गांव में एक बेहद दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया. गांव के समीप छुई (पोतने वाली मिट्टी) निकालने के दौरान अचानक मिट्टी धंसने से पांच लोग दब गए, जिससे एक महिला, मासूम बच्ची और किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई.

यह घटना सुबह के समय 11.21 बजे की बताई जा रही है.

ग्रामीणों के अनुसार, महिलाएं एवं बालिकाएं खुरपी लेकर छुई निकालने गई थीं. इसी दौरान मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गया और सभी लोग उसके नीचे दब गए. मौके पर मौजूद ग्रामीणों, सरपंच परसोहर एवं पुलिस की तत्परता से तुरंत राहत कार्य शुरू किया गया. मिट्टी में दबे लोगों को बाहर निकाला गया, जिसमें दो महिलाएं बेहोशी की हालत में मिलीं, जबकि एक महिला, मासूम बच्ची और किशोरी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी. मृतकों में 10 वर्षीय प्रीति सिंह, 16 वर्षीय बसंती (दोनों निवासी ग्राम हरहवा) तथा 50 वर्षीय फूलमती यादव निवासी बंधा शामिल हैं.